बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-763
02/11/2026

प्रधानमंत्री ने 'भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो–2026' का किया उद्घाटन, मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी हुए शामिल

मुख्य बिन्दु :–

- अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 'निवेश करें, नवाचार करें, प्रेरित करें' की थीम पर केंद्रित है चार दिवसीय वैश्विक सम्मेलन।
- सम्मेलन में 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और 40 से अधिक मंत्री ले रहे हैं हिस्सा।

पटना, 02 नवम्बर 2026 :– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो–2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी भी शामिल हुये।

2 से 5 नवंबर 2026 तक 'निवेश करें, नवाचार करें, प्रेरित करें' की थीम पर आयोजित हो रहा यह चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में काम करेगा। इस सम्मेलन में दुनिया भर के नीति–निर्माता, निवेशक, वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि और उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां भाग ले रही हैं। इसमें 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी हो रही है, जिनमें 40 से ज्यादा मंत्री भी शामिल हैं।

यह वैश्विक सम्मेलन स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, औद्योगिक भागीदारी और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। इसके माध्यम से विभिन्न देशों के बीच अक्षय ऊर्जा से जुड़ी नई तकनीकों, अनुभवों और निवेश की संभावनाओं पर विचार–विमर्श होगा। इस आयोजन में ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम कंट्री पार्टनर के रूप में शामिल हो रहे हैं।

सम्मेलन में 13 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश भी अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता, निवेश के अवसरों और विनिर्माण क्षेत्र की संभावनाओं का प्रदर्शन करेंगे। इनमें बिहार के अतिरिक्त आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल राज्य शामिल हैं।

इस वैश्विक आयोजन में बिहार की भागीदारी राज्य की अक्षय ऊर्जा क्षमता, औद्योगिक विकास और निवेश की संभावनाओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी। साथ ही, स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने तथा तकनीकी सहयोग और औद्योगिक साझेदारी को विस्तार देने की दिशा में भी यह सम्मेलन महत्वपूर्ण साबित होगा।

****